

नाइट्रोजन उपलब्धता में असंतुलन

प्रलिस के लयः

नाइट्रोजन, प्रकाश प्रदूषण, आक्रामक प्रजातयों, वनाग्नः, कार्बन डाइऑक्साइड ।

मेन्स के लयः

नाइट्रोजन चक्र का महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही प्रकाशति एक नई रपौरट के अनुसार, वैश्वकि स्तर पर नाइट्रोजन की उपलब्धता में असंतुलन देखा जा रहा है । कुछ स्थानों पर इस तत्त्व की अधिकता है तो वही कुछ जगहों पर इसकी कमी बनी हुई है ।

प्रमुख बदि

कमी के कारणः

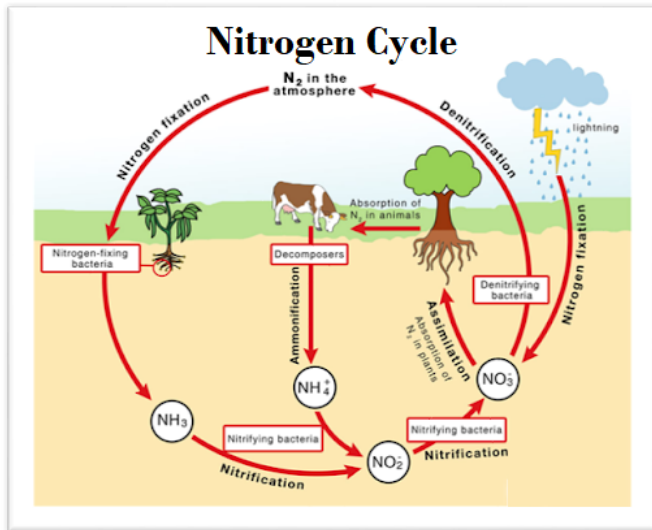
- कार्बन डाइऑक्साइड के बढ़ते स्तर और अन्य वैश्वकि परिवर्तनों ने पौधों तथा रोगाणुओं में नाइट्रोजन की मांग में वृद्धि की है ।
 - उच्च कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) सांद्रता के संपर्क में आने पर पौधे तेजी से बढ़ते हैं ।
 - पौधों में CO₂ का उच्च स्तर उनमें नाइट्रोजन की मात्रा को कम कर देता है इस प्रकार पौधों में नाइट्रोजन की मांग बढ़ जाती है ।
- नाइट्रोजन के स्तर में गरिवट या कमी लाने वाले अन्य कारणों में **वनाग्नः** सहति ग्लोबल वार्मगि शामिल हैं ।
 - वशिव के कई कषेत्रों जहाँ लोग मटिटी में नाइट्रोजन की मात्रा को बढ़ाने पर ध्यान नहीं देते हैं वहाँ से प्राप्त दीर्घकालकि रकिॉर्ड प्रदर्शति करते हैं कि उन स्थानों पर नाइट्रोजन की उपलब्धता घट रही है जो पौधों और जानवरों के वकिस हेतु अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है ।
 - जीवाश्म ईंधन के दहन, नाइट्रोजन आधारति उर्वरकों के उपयोग और अन्य गतविधियों से पारस्थितिक तंत्र में जैवकि रूप से उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में नाटकीय रूप से वृद्धि हो सकती है ।

नाइट्रोजन असंतुलन के परणामः

- नाइट्रोजन की कमीः
 - नाइट्रोजन के घटते स्तर या कमी को कीट के वनाश/सर्वनाश (Insect Apocalypse) से जोड़कर देखा जा सकता है ।
 - **जलवायु परिवर्तन**, कीटनाशकों के उपयोग, शाकनाशी, **प्रकाश प्रदूषण**, आक्रामक प्रजातयों, कृषि और भूमि उपयोग में परिवर्तन के कारण हर साल पृथ्वी से लगभग 1-2% कीट समाप्त हो रहे हैं । इस परिघटना को "कीट सर्वनाश" (Insect Apocalypse) कहा जा रहा है ।
 - यह टडिडियों की कुछ प्रजातयों की संख्या बढ़ा सकता है ।
 - इसके अलावा कम नाइट्रोजन की उपलब्धता वातावरण से CO₂ को अवशोषति करने की पौधों की क्षमता को सीमति कर सकती है ।
- नाइट्रोजन की उच्च मात्राः
 - जब नदियों, अंतरदेशीय झीलों और पानी के तटीय नकियों में अत्यधिक नाइट्रोजन की मात्रा इकटठा हो जाती है, तो यह कभी-कभी **यूट्रोफिकेशन** (Eutrophication) का परणाम हो सकती है जिससे हानिकारक एल्गी प्रस्फुटन (Algal Blooms) की घटना हो सकती है तथा डेड ज़ोन और मछलियों की मृत्यु तक हो जाती है ।
 - **यूट्रोफिकेशन (Eutrophication)**: जब एक जल नकिया खनजिों और पोषक तत्त्वों से अत्यधिक समृद्ध हो जाती है जो शैवाल या शैवाल के अत्यधिक वकिस को प्रेरति करती है । इस स्थिति में उपलब्ध जलीय ऑक्सीजन कम हो जाती जिससे अन्य जीवों की मृत्यु हो जाती है ।
- भूजल में नाइट्रोजन का उच्च स्तर मनुष्यों में आँत के कैंसर और गर्भपात जैसी समस्याओं से जुड़ा होता है और शशुओं के लयि घातक हो सकता है ।

नाइट्रोजन की मुख्य विशेषताएँ:

- नाइट्रोजन सभी जीवित जीवों के अस्तित्व के लिये महत्वपूर्ण प्राथमिक पोषक तत्वों में से एक है।
- वायुमंडल में नाइट्रोजन गैस की 78% मात्रा पाई जाती है और नाइट्रोजन जीवन के आवश्यक कई अणुओं का हिस्सा है जिनमें प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड (डीएनए और आरएनए) और कुछ विटामिन शामिल हैं।
- नाइट्रोजन अन्य जैविक रूप से महत्वपूर्ण योगकों जैसे एल्कलॉइड और यूरिया में भी पाया जाता है।
- इस प्रकार नाइट्रोजन सभी जीवों के लिये एक आवश्यक पोषक तत्व है तथा जीवन के लिये ये सभी जीव सीधे वायुमंडलीय नाइट्रोजन का उपयोग करते हैं।
- यद्यपि नाइट्रोजन गैस (N₂) के रूप में वातावरण में नाइट्रोजन प्रचुर मात्रा में है, कति जीवों द्वारा इसका उपभोग काफी हद तक दुर्गम है, जिससे अक्सर कई पारिस्थितिक तंत्रों में प्राथमिक उत्पादकता सीमित होती है।
- केवल जब नाइट्रोजन को नाइट्रोजन गैस से अमोनिया (NH₃) में परिवर्तित किया जाता है, तो यह पौधों जैसे प्राथमिक उत्पादकों के लिये उपयोग में लाई जा सकती है।
- **नाइट्रोजन गैस के प्रमुख परिवर्तन नमिनलखिति प्रक्रिया के माध्यम से होते हैं:**
 - नाइट्रोजन स्थिरीकरण (अमोनिया हेतु नाइट्रोजन गैस),
 - नाइट्रीकरण (अमोनिया से नाइट्राइट और नाइट्रेट),
 - डीनाइट्रीकरण (नाइट्रेट से नाइट्रोजन गैसों में)
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले सूक्ष्मजीवों द्वारा नाइट्रोजन गैस (N₂) को जैविक रूप से उपलब्ध नाइट्रोजन अर्थात् अमोनिया में परिवर्तित करने की प्रक्रिया **नाइट्रोजन स्थिरीकरण कहलाती है।**
 - कुछ नाइट्रोजन-फिक्सींग जीव (**Nitrogen-fixing organisms**) मुक्त-जीवित होते हैं, जबकि अन्य सहजीवी नाइट्रोजन-फिक्सीर (Nitrogen-fixers) होते हैं, जिनमें प्रक्रिया को पूरा करने के लिये मेजबान के साथ घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता होती है।
 - इनमें से कुछ बैक्टीरिया एरोबिक, जबकि अन्य अवायवीय होते हैं; जिनमें से कुछ प्रकाशपोषी होते हैं तथा कुछ अन्य रसायनपोषी होते हैं (प्रकाश के बजाय रसायनों को उनके ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग करना)।
 - इन सभी में एक समान एंजाइम कॉम्प्लेक्स होता है जिसे **नाइट्रोजनेज़ (Nitrogenase)** कहा जाता है, जो **N₂** की कमी को **NH₃** (अमोनिया) में उत्प्रेरित करता है।



//

वर्षों के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा/से, मृदा में नाइट्रोजन को बढ़ाता है/बढ़ाते हैं?

1. जंतुओं द्वारा यूरिया का उत्सर्जन
2. मनुष्य द्वारा कोयले को जलाना
3. वनस्पतकी मृत्यु

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3

- (c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

- मानव सहति **स्तनधारी यूरिया के प्राथमिक उत्पादक** हैं। क्योंकि वे यूरिया को प्राथमिक नाइट्रोजनयुक्त अपशषिट उत्पाद के रूप में स्रावति करते हैं, इन्हें **यूरियोटेलिक जानवर** कहा जाता है। ये अपशषिट मटिटी में नाइट्रोजन बढ़ाते हैं। **अतः 1 सही है।**
- कोयले के दहन से **कार्बन के ऑक्साइड (COx), सल्फर के ऑक्साइड (SOx), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NOx)** और फ्लाई-ऐश, ग्रपि गैस और स्क्रबर कीचड़ सहति कई तरह के उपोत्पाद बनते हैं। हालाँकि यह सीधे मटिटी में नाइट्रोजन की मात्रा को नहीं बढ़ाते करते हैं। **अतः 2 सही नहीं है।**
- जब वनस्पति तथा जानवर की मृत्यु हो जाती है, तो कार्बनिक पदार्थों में नाइट्रोजन यौगिक मटिटी में प्रवेश करते हैं, जहाँ वे सूक्ष्मजीवों द्वारा वघिटति होते हैं, जिन्हें अपघटक (Decomposers) के रूप में जाना जाता है। यह अपघटन अमोनिया उत्पन्न करता है, जो नाइट्रिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरता है, अर्थात् मटिटी में नाइट्रिफाइंग बैक्टीरिया अमोनिया को नाइट्राइट (NO₂) और फरि नाइट्रेट (NO₃) में परिवर्तित करते हैं। **अतः 3 सही है।**

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/imbalance-in-nitrogen-availability>

